

प्रेषक,

डा० रणबीर सिंह,
अपर मुख्य सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण,
उद्यान भवन चौबटिया—रानीखेत।

उद्यान एवं रेशम अनुभाग—1

देहरादून: दिनांक, 17 मार्च 2016

विषय—अदरख बीज प्रजाति रियोडिजेनेरो, मरान एवं हिमगिरी की दर अनुमोदित एवं क्रय की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या 833/उद्यान/2015-16 दिनांक 08 मार्च 2016 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2— उपर्युक्त विषयक प्रस्ताव के सम्बन्ध में विभागीय निविदा समिति एवं आपके द्वारा की गयी संस्तुति के क्रम में शासन स्तर पर सम्यक् विचारोपरांत लिए गये निर्णय के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 में अदरख बीज हेतु आमंत्रित विभागीय ई-निविदा में प्राप्त न्यूनतम दरों के आधार पर अदरख बीज प्रजाति रियोडिजेनेरो, मरान एवं हिमगिरी की क्रमशः 2000, 1500, 1500 कुन्तल कुल 5000 कुन्तल की मात्रा रु5940.00 प्रति कुन्तल (समस्त करों सहित) की दर से मै० हन्सिन बायो इन्फ्रा इण्डिया प्रा० लि० प्लॉट नं०-16-18 उद्योग केन्द्र-1 इकोटैक-3 ग्रेटर नोएडा(उ०प्र०) से क्रय किये जाने एवं उक्त विषयक अनुमानित व्यय रु 2,97,000,00.00(दो करोड़ सतानब्बे लाख मात्र) अथवा योजनान्तर्गत उपलब्ध बजट की सीमान्तर्गत, जो भी कम हो, के व्यय की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति श्री राज्यपाल निम्न शर्तों के अधीन सहर्ष प्रदान करते हैं:—

1— उक्त स्वीकृति केवल चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 हेतु ही प्रदान की जा रही है। उक्त दरें एवं सामग्री की अधिप्राप्ति/क्रय की कार्यवाही अवधि शासनादेश निर्गत होने की तिथि से दिनांक 31 मार्च 2016 तक ही प्रभावी/अनुमन्य होगी। उक्त प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति वास्तविक मांग एवं संगत मदों में उपलब्ध बजट सीमा के अन्तर्गत होगी। उक्त सामग्री की अधिप्राप्ति अनुमोदित निविदा शर्तों के अनुसार एवं नियमानुसार की जाएगी। यदि व्यय की मानक मदें स्वीकृत नयी योजनाओं के अन्तर्गत आती हो तो सर्वप्रथम यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि योजना के मानक सक्षम स्तर से अनुमोदित हों। बिना मानकों के अनुमोदन से पूर्व योजना के क्रियान्वयन हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जायेगी। यह भी सुनिश्चित कर लिया जाय कि जिन योजना/योजनाओं के मानक मदों के अन्तर्गत उक्त सामग्री के क्रय का व्यय प्रस्तावित है, उस योजना/योजनाओं के संचालन की निर्धारित/अनुमोदित योजना अवधि गतिमान है।

2— व्यय हेतु वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-400/XXVII(1)/2015, दिनांक-01 अप्रैल 2015, प्रोक्योरमेन्ट रूल्स, 2008, भण्डार क्रय प्रक्रिया (स्टोर पर्चेस रूल्स) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 आय-व्यय सम्बन्धी नियम, शासनादेशों एवं अन्य समस्त सुसंगत वित्तीय नियमों आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। इस हेतु स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय। व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाय, जिसके लिए धनराशि स्वीकृत की जा रही है। किसी भी प्रकार के मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं रहेगा।

क्रमशः-2

- 3- बीज की आपूर्ति उत्तराखण्ड के प्रत्येक जिला मुख्यालयों तथा आलू एवं शाकभाजी विकास अधिकारी कार्यालयों तक करनी होंगी। अतः दरें एफ0ओ0आर0 (डिस्टिनेशन) है।
- 4- अदरख बीज के कन्द रोग रहित एवं स्वस्थ होने चाहिए तथा कन्द में किसी भी प्रकार की क्षति नहीं होनी चाहिए। अदरख बीज प्रकंद(राईजोम) का न्यूनतम वजन-20-25 ग्राम होना चाहिए। 01 से 02 स्वस्थ एवं जीवित आंख(अंकुरण बड) होनी चाहिए। संस्था से इस आशय का कि उसके द्वारा जो बीज आपूर्ति किया जाएगा वह पूर्णतया रोग रहित, स्वस्थ एवं नियत मानकों के अनुरूप होगा, का शपथ-पत्र प्राप्त कर सम्बन्धित विभागीय आपूर्ति अधिकारियों द्वारा भी उक्तवत् आपूर्तित सामग्री के सम्बन्ध में पुष्टि कर ली जाय। भण्डार में होने का सत्यापन विभागीय गठित समिति द्वारा, उत्तराखण्ड में स्थित, फर्म के भंडार स्थल पर किया जायेगा। उपलब्ध बीज की मात्रा का मांगवार, लाटवार विवरण की पुष्टि की जाय। सम्पूर्ण भण्डार का सत्यापन करके पर्याप्त सैंपल ले कर इसका मानकों के अनुरूप परीक्षण/जांच कर ली जाय। उचित पाये जाने पर ही आपूर्ति सुनिश्चित की जाय। भण्डार किये गये अदरख बीज को उपचारित कर आपूर्ति करनी होगी। अदरख बीज को (0.25 प्रतिशत मैन्कोजेव, 0.10 प्रतिशत कार्बन्डाजिम (बावेस्टीन), 0.25 प्रतिशत क्लोरोपाईरीफास से आधा घन्टा उपचारित किया हुआ होना चाहिए। आधा घन्टा उपचारित होने के बाद बीज टैंक में नीचे सेटल हो जाना चाहिए। तैरते बीज मृत (डेड) मानते हुए क्रय नहीं किये जायेंगे। बीज ट्रीटमेंट हेतु आपूर्तिकर्ता को ट्रीटमेंट के लिए ट्रीटमेंट यूनिट उत्तराखण्ड राज्य में स्थापित करनी होगी जिस हेतु संस्था द्वारा वित्तीय व्यय स्वयं वहन किया जायेगा। ट्रीटमेंट बीजों को सुखाकर तथा पैकिंग विभाग द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी के समक्ष की जायेगी, जिसका प्रमाण पत्र नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा निर्गत होने के बाद ही ट्रक लोड करना होगा। समस्त कयादेश नियमानुसार निविदा प्राधिकारी द्वारा निर्गत किये जायेंगे एवं सम्बन्धित प्राधिकारी द्वारा यह अधिकार प्रतिनिधानित नहीं किया जायेगा।
- 5- अदरख बीज की आपूर्ति 20 कि0ग्रा0 की पैकिंग में ही करनी होगी तथा बीज की आपूर्ति मांग के अनुरूप आदेश के पश्चात तुरंत करनी होगी। विभागाध्यक्ष द्वारा उक्त सामग्री की आपूर्ति के पश्चात जिन लाभार्थियों/विभागीय संस्थाओं/अन्य को उक्त सामग्री उपलब्ध करायी जाय उनके पास बीजों की जीवितता के सम्बन्ध में अनुश्रवण हेतु समय-समय पर विभागीय अधिकारियों का दायित्व निर्धारित किया जाय। विभागाध्यक्ष द्वारा विभागीय अधिकारियों की अनुश्रवण आख्या से समय-समय पर अपनी संस्तुति सहित शासन को अवगत कराया जायेगा। सामग्री की गुणवत्ता सुनिश्चित हो जाने के उपरांत ही सम्बन्धित संस्था की धरोहर धनराशि अवमुक्त की जायेगी। उक्त आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 6- उक्त सामग्री की अधिप्राप्ति हेतु होने वाला वास्तविक व्यय सम्बन्धित विभागीय योजनाओं के सुसंगत मदों से वहन किया जायेगा।

भवदीय,

(डा0 रणबीर सिंह)

अपर मुख्य सचिव।

संख्या-694/XVI(1)/16/5(11)/2014, तददिनांकित।

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निदेशक राष्ट्रीय सूचना केन्द्र सचिवालय परिसर देहरादून।
2. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(टीकम सिंह पंवार)

अपर सचिव।